फेडरेशन

अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला

10–11 मार्च, 2010

हिमालयी आजीविका सुधार परियोजना

272 C/II, वसंत विहार, देहरादून

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

फेडरेशन

अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला

दिनांक– 10 एवं 11 मार्च, 2010 को नवधान्य बीज विद्या पीठ रामगढ़ देहरादून में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रातः 9.30 बजे से प्रारम्भ किया गया। परियोजना द्वारा फेडरेशन की एक महत्वपूर्ण हितभागी के रूप में यह सुनिश्चित करने के लिए पहचान की गई है कि परियोजना का क्रियान्वयन समुदाय सदस्यों की आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं के रूप में किया जा सके तथा सदस्यों के निरंतर लाभ के लिए उद्यमों की स्थापना की जा सके। उक्त विषय पर आपसी अनुभव आदान–प्रदान करने के उद्देश्य से फेडरेशन अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रत्येक जनपद से 4 फेडरेशन 2–2 प्रतिनिधियों (कुल 55) ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला जिला परियोजना प्रबन्धक, प्रबन्धक–फेडरेशन विकास, समन्वयन अधिकारी तथा मुख्यालय स्टाफ ने भी प्रतिभाग किया।

10 मार्च 2010

प्रातः कालीन प्रथम सत्र में कार्यशाला का शुभारम्भ दीपप्रज्ज्वलन के साथ किया गया। दीपप्रज्जवलन IFAD से श्री साहिल रफीक जी व सुश्री अंकिता हांडू जी, परियोजना निदेशक, उप निदेशक नवधान्य द्वारा किया गया। दीपप्रज्जवलन के उपरान्त प्रेरणादायक प्रार्थना **''इतनी शक्ति हमें देना दाता'** का गायन सभी प्रतिभागियों ने किया। इसके उपरान्त सभी प्रतिभागियों द्वारा परिचय किया गया। तत्पश्चात प्रबधन्क–KMIT द्वारा दो दिनों की कार्यशाला के उद्देश्य एवं नियम कार्यक्रम के विवरण की सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी गई।

➢ **फेडरेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण**

प्रगति स्वायत्त सहकारिता देवट का प्रस्तुतिकरण

पूर्व फेडरेशन कार्यशाला जो कि 25 फरवरी 2010 को आयोजित की गई थी में प्रत्येक जनपद से एक फेडरेशन द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यशाला में सभी फेडरेशन सदस्यों द्वारा फेडरेशन की कार्ययोजना बनायी गयी। उक्त कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी फेडरेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। सर्वप्रथम **जनपद टिहरी** के प्रगति स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन ने अपनी टेलीफोन डायरी तैयार की है जिसमें सभी रेखीय विभागों, विभिन्न संस्थानों, अन्य फेडरेशन तथा समूह व समूह सदस्यों को शामिल किया गया है।
2. फेडरेशन ने अपने कार्यक्षेत्र का नक्शा तैयार किया है।
3. फेडरेशन ने परियोजना के साथ सीधे कार्य करने हेतु अनुबन्ध करने की आवश्यकता जताई है। इस सम्बन्ध में स्वयं सहायता समूहों में प्रस्ताव पारित किया गया है जिसे ग्राम प्रधान द्वारा भी सत्यापित किया गया है।
4. फेडरेशन ने समूहों के साथ कार्य करने की अपनी विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जनपद उत्तरकाशी के बनाल पट्टी स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन ने अपनी एक फार्म डायरी तैयार की है जिसमें प्रत्येक समूह में विपणन हेतु शेष खाद्य उत्पाद का विवरण तैयार किया गया है। साथ ही समूह व समूह सदस्यों के फोन नम्बर भी एकत्रित किये हैं।

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

2. फेडरेशन ने नाबार्ड तथा परियोजना के सहयोग से एक रूरल मार्ट स्थापित किया है। रूरल मार्ट में विभिन्न उत्पाद बेचने हेतु रखे गये हैं तथा फोटोकॉपी, फैक्स आदि सेवाएं भी रूरल मार्ट उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही कॉफी मशीन भी स्थापित की है।

जनपद चमोली के पर्वतीय कृषि स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन द्वारा स्थापित डेयरी के बारे में बताया कि इसे स्थापित करने में परियोजना से केवल मार्गदर्शक एवं तकनीकी जानकारी का सहयोग लिया है। इस उद्यम में सम्पूर्ण पूंजी फेडरेशन द्वारा स्वयं की लगाई है।
2. डेयरी उद्यम में सदस्यता 48 से 130 तक पहुंच गयी है।
3. दूधे के दाम जो सदस्यों को मिल रहे वह भी 12–15 से लेकर 20 तक बढ़े हैं।
4. फेडरेशन की चारा एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने की योजना है।
5. फेडरेशन की जनपद मुख्यालय में एक दुकान भी चल रही है जिसमें दूध, सब्जी, दालें और हैण्डीक्राफ्ट की बिक्री होती है। सरकारी कार्यालयों में इस दुकान के माध्यम से पैक भोजन भी सप्लाई होता है।

जनपद अल्मोड़ा के बिजुला स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन द्वारा किये जा रहे आलू बीज उत्पादन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। फेडरेशन ने उत्पादित बीज का विपणन अन्य फेडरेशन को किया।
2. फेडरेशन द्वारा क्षेत्र में एलोवेरा की खेती पर भी काम किया जा रहा है।
3. फेडरेशन की सीख है कि हमें एक – दो गतिविधि पर ही काम करना चाहिए। इस तरह हम सफलता की ओर तेजी से बढ़ते हैं।

जनपद बागेश्वर के देवलधार फेडरेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसमें मुख्य रूप से फेडरेशन द्वारा शुरू किये गये रविवार बाजार के अनुभवों को बांटा। रविवार बाजार की शुरूआत तीन–चार महिलाओं द्वारा सड़क के किनारे टोकरी में सब्जियों को बेचने से हुई। आज बागेश्वर में रविवार बाजार एक स्थापित बाजार हो चुका है।

- इसके बाद सभी प्रतिभागियों की आपस में चर्चा हुई इस चर्चा के दौरान प्रतिभागियों द्वारा जंगली जानवरों से खेती को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठा। इस पर सभी ने परियोजना से इस समस्या पर सहयोग करने की बात रखी क्योंकि कृषि गतिविधियों को करने में मुश्किल आ रही है। सभी गांवों के सामने यह बहुत बड़ी समस्या खड़ी है। चर्चा से यह निष्कर्ष निकला कि जैवविविधिता खत्म होने से यह समस्या आ रही है। फेडरेशन को जैवविविधिता संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य करना आवश्यक है।

एक सदस्य द्वारा बताया कि उन्होंने आवाज करने वाला थालियों से अपना यंत्र बनाया है जो हवा से हिलते जोर जोर से आवाज करता है। आवाज होने से जानवर भाग जाते हैं। इसी तरह का यंत्र बनाया जाय तो काफी फायदा होगा।

- इसके उपरान्त श्री सूर्य प्रकाश बहुगुणा, सदस्य विकासनगर फेडरेशन जो पिछले 12 सालों से विकासनगर में जैविक खेती कर रहे हैं। उनको जैविक कीटनाशी, जैविक खाद, बीज संरक्षण की पारम्परिक विधियां तथा किसान के अधिकार, अभिनव प्रयोग एवं बीज उत्पादन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा अपने अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ बांटा।

प्रतिभागियों द्वारा जैविक खाद बनाने तथा फसलों में लगने वाले विभिन्न रोगों के इलाज के बारे में कई सवाल करने साथ चर्चा में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभायी।

श्री बहुगुणा जी ने बताया कि जैविक खेती के साथ अनुबन्ध खेती के फायदे किसान के हक में हैं। इससे किसान उतना ही उत्पादन करेगा जितनी बाजार में मांग है तथा फसल के मूल्य भी पहले से निर्धारित कर लिये जाते हैं इसलिए फसल को कहां और कितने में बेचने है आदि के बारे में किसान चिंता मुक्त होकर कार्य करता है।

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

- उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद के श्री तर्पण कुलक्षेत्र ने UOCB के ग्रीन रेस्टोरेंट (जैविक रेस्टोरेंट) की संकल्पना की जानकारी दी। इस कार्यक्रम की शुरूआत देहरादून से की जायेगी जो कि जल्दी ही शुरू हो जायेगा। यह ग्रीन रेस्टोरेंट तभी चल पायेगा जब किसान जैविक खेती करेंगे। न्ब्ब इसके लिए जैविका अनाज, सब्जी, मासलों आदि की बराबर आवश्यकता होगी। इससे किसानों को एक नया बाजार मिलेगा। जैविक उत्पाद अभी कम ही उत्पादित हो रहे हैं। जैविक मसालों की तो बहुत अधिक कमी है।

  प्रतिभागियों ने जैविक खेती हेतु सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया तथा पारम्परिक खेती के बारे में चर्चा की।

- RED-GTZ से श्री रविन्द्र व सुश्री जुलिया ने CCL एवं Term स्वदे के लिए GTZ व नाबार्ड के साझे नये कार्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी।

- परियोजना निदेशक ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी हितभागियों के अनुभव को आदान–प्रदान करना महत्वपूर्ण है। फेडरेशन अब व्यापारिक गतिविधियों के लिए तैयार हैं तथा उन्हें प्रसंस्करण गतिविधि को भी अपनाने का भी सोचना होगा। व्यापारिक गतिविधि करने के लिए फेडरेशन के छोटे प्रस्तावों का स्वागत किया जायेगा। अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण करने की आवश्यकता है एवं योजनाओं का लाभ सभी सदस्यों के लिए हो। परियोजना सामाजिक विकास की गतिविधियां कर चुकी है और इसके लिए समूहों का क्षमता निर्माण किया है। राज्य नई परियोजना के हस्तक्षेप के लिए समूहों से मदद ले सकता है।

- नवधान्य के उपनिदेशक डॉ0 विनोद भट्ट ने नवधान्य के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नवधान्य बीज, मिट्टी, जल और ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

- डॉ0 शहील रफीक (ISS, IFAD-ICO) ने कहा कि ज्ञान बांटने का यह आयोजन एक ऐतिहासिक आयोजन है जिसमें फेडरेशन की व्यापरिक गतिविधियों को लेने की प्रस्तुति को दूसरी जगहों के लिए अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापरिक गतिविधियों के लिए ज्ञान बांटने का यह पहला अवसर है। इससे समूह सदस्यों के लिए रोजगार सजृन को बढ़ावा मिलेगा। फेडरेशन की गतिविधियां सामाजिक पुनिर्वेश के रूप में होनी चाहिए तथा फेडरेशन सदस्य स्वयं अपने द्वारा उन गतिविधियों को करे।

- सांय के प्रथम सत्र में नवधान्य के जैवविविधता, बीज, मिट्टी, जल के संरक्षण हेतु किये जा रही गतिविधियों को जानने समझने हेतु नवधान्य फार्म का भ्रमण तीन समूहों में किया गया। जैविक खाद तकनीक एवं पारम्परिक बीज संरक्षण हेतु स्थापित किये गये बीज बैंक तथा औषधीय खेती को प्रतिभागियों ने विस्तार से समझा।

- द्वितीय सत्र में सभी जनपदों के फेडरेशन प्रतिनिधि तथा परियोजना स्टाफ ने जनपदवार अपने जनपद की फेडरेशन कार्यवाहियों पर निम्न बिन्दुओं पर चर्चा कर प्रस्तुतिकरण तैयार किया –

1 फेडरेशन की सफलता एवं क्षमताएं
2 सीख के मुद्दे

समूह चर्चा–जनपद अल्मोड़ा

समूह चर्चा–जनपद बागेश्वर

समूह चर्चा–जनपद चमोली

समूह चर्चा–जनपद टिहरी

समूह चर्चा–जनपद उत्तरकाशी

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

➢ कार्यशाला में सभी जनपदों की फेडरेशन उत्पादित उत्पाद के प्रदर्शन स्टॉल भी लगाये गये।

कार्यशाला में लगाये विभिन्न प्रदर्शन स्टॉल

दिनांक 11.03.2010

दूसरे दिन की शुरूआत सभी जनपद के फेडरेशन प्रतिनिधियों द्वारा **दीप प्रज्जवलन** तथा **इतनी शक्ति हमें देना दाता प्रार्थना** के साथ की गयी। इसके साथ ही पहले दिन की कार्यशाला में हुई चर्चाओं को फिर से दोहराया गया। खुली चर्चा के इस सत्र में प्रतिभागियों को परियोजना हस्तक्षेप के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये जो इस प्रकार थे–

दूसरे दिन कार्यशाला का उद्घाटन

- परियोजना द्वारा सामाजिक विकास एवं संगठनात्मक स्तर की गतिविधियां परियोजना क्षेत्र के सभी ग्रामों में संचालित की गई हैं जिनके परिणाम भी हमारे सामने हैं। परन्तु व्यापारिक गतिविधियां चाहें वह परियोजना स्तर से या फेडरेशन स्तर से संचालित की जा रही उनकी पहुंच केवल सड़क व बाजार के नजदीक ग्रामों तक ही है। दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामों के लिए व्यापारिक गतिविधियों का अधिक आयोजन किया जाना चाहिए क्योंकि दूरस्थ क्षेत्र का समुदाय सड़क के नजदीक के समुदाय से ज्यादा पिछड़ा व गरीब है।
- फसल को जंगली जानवरों के खतरे से बचाने के लिए परियोजना द्वारा इस दिशा में काम करना चाहिए, क्योंकि परियोजना के कुछ ग्राम इस समस्या से बहुत अधिक प्रभावित हैं।
- परियोजना गरीब व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए क्या किया जाना चाहिए यानि प्रथम व द्वितीय श्रेणी के परिवारों तक।
- परियोजना द्वारा सामाजिक मुद्दों जैसे शराब, जंगल, गांव की सफाई आदि के लिए भी कार्य करना चाहिए, आर्थिक कार्यों से अलग रखते हुए।

खुली चर्चा में अपने सुझाव रखते प्रतिभागी

उक्त बिन्दुओं सभी प्रतिभागियों के साथ खुली चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने विभिन्न समस्याओं के निपटारे हेतु अपनाई जा रही विभिन्न तरीकों के अनुभव को आपस में बांटा जैसे टिहरी जनपद के चौंधार गांव में शराब बन्दी हेतु किये गये सफल प्रयास, चमोली जनपद में पर्वतीय कृषि स्वायत्त सहकारिता फेडरेशन द्वारा गांव में चलने वाले सफाई अभियान तथा जंगली जानवरों को रोकने हेतु किये गये प्रयास आदि।

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

यह भी सुझाव दिया गया कि परियोजना द्वारा फेडरेशन की सुविधा के लिए एक दूरस्थ क्षेत्र में कार्य करने की रणनीति बनायी जानी चाहिए।

सभी फेडरेशन द्वारा फेडरेशन की सफलता, सीख मुद्दे एवं परियोजना से सहयोग पर आधारित चार्ट पेपर पर प्रस्तुतिकरण का जनपदवार प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रस्तुतिकरण में सीख के मुद्दे निम्न निकल कर आये–

अल्मोड़ा–

1. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– फेडरेशन का दस्तावेजीकरण, एलोवेरा प्रसंस्करण, एलोवेरा पौधशाला विकास।
2. पॉलीटनल की बजाय पॉलीहाउस का प्रदर्शन
3. फेडरेशन के अपने भवन एवं टेलीफोन की आवश्यकता
4. आलू बीज हेतु कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता

बागेश्वर–

1. फेडरेशन कैपिटल राशि में सहयोग
2. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– बीज संग्रह, फल प्रसंस्करण, मसाला पिसाई, पैकिंग
3. फेडरेशन के अपने वाहन की आवश्यकता
4. विपणन में सहयोग
5. मसाला पिसाई इकाई की स्थापना
6. फेडरेशन के अपने भवन की आवश्यकता
7. सी0आर0पी0 की आवश्यकता

जनपद बागेश्वर का प्रस्तुतिकरण

चमोली–

1. डेयरी उद्यम हेतु वाहन की आवश्यकता
2. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– टिफिन उद्यम, दूध के अन्य उत्पाद बनाना
3. फेडरेशन की कैपिटल धनराशि में सहयोग
4. फेडरेशन के अपने भवन की आवश्यकता

टिहरी–

1. फेडरेशन के अपने भवन एवं टेलीफोन की आवश्यकता
2. कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता
3. दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण
4. आगामी वर्ष में परियोजना के साथ सीधे TOR के साथ काम करना चाहते हैं
5. विपणन में सहयोग

जनपद टिहरी का प्रस्तुतिकरण

उत्तरकाशी–

1. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– बीज संग्रह, सी0आर0पी0 की बाजार व्यवस्था की समझ, दस्तावेजीकरण, उद्यम हेतु प्रस्ताव तैयार करना, फेडरेशन के उद्यमों के बीमा कराने सम्बन्धी
2. फेडरेशन वाहन हेतु ऋण की आवश्यकता

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

- परियोजना स्टाफ द्वारा APMAS के फेडरेशन प्रशिक्षण एवं फेडरेशन भ्रमण की सीख का अनुभव प्रतिभागियों में जो इस प्रकार था–

APMAS सीख का अनुभव आदान–प्रदान

1. फेडरेशन की बैठकों में रेखीय विभागों के प्रतिनिधियों को बुलाना एवं उनके द्वारा योजनाओं की जानकारी देना
2. स्मूह को फेडरेशन की आवश्यकता स्थापित करना जैसे ऋण
3. स्मूह सदस्यों से मंडल तक ऋण हेतु माइक्रो क्रेडिट प्लान बनाये जाते हैं
4. फेडरेशन स्तर पर नियमित बचत
5. समूह का लेखाजोखा समूह सदस्य आपस में बदल–बदलकर करते हैं। इसके लिए सी0आर0पी0 रखा है जिसे 50 रू0 प्रतिमाह प्रत्येक समूह देता है। सी0आर0पी0 समूह का सदस्य होता है। समूह में पारदर्शिता रखने के लिए वह अपने समूह का लेखा–जोखा नहीं रखता।
6. ऋण वापिसी 90 प्रतिशत है।
7. समूह प्रतिनिधि 1 वर्ष में बदलते हैं।
8. संचालन महिलाएं कर रही हैं। तकनीकी व्यक्ति मानदेय पर रखा है।

- शहील रफीक जी द्वारा फेडरेशन प्रतिनिधियों को APMAS का भ्रमण अवश्य कराने का सुझाव दिया। इसके उपरान्त उन्होंने परियोजना स्टाफ के साथ H Diagramming के सिद्धान्त और उपयोगिता के बारे बताया तथा चिन्हित विषय पर फेडरेशन प्रतिनिधियों के साथ एक अभ्यास करने के लिए दिया गया।

भोजन उपरान्त फेडरेशन प्रतिनिधियों के साथ परियोजना स्टाफ ने H Diagramming का अभ्यास किया जो कि बहुत ही रोचक और जानकारीपरक रहा।

- बिरला सन लाइफ बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि श्री जगजीत सिंह द्वारा बिरला बीमा पॉलिसी की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा जनपद में यह फेडरेशन के माध्यम की जा रही है।

- इसके बाद परियोजना के वर्ष 2010–11 के AWPB में तय किये गये प्रदर्शन एवं क्षमता विकास के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी प्रबधन्क–TS एवं ED&CB द्वारा प्रतिभागियों को दी गई।

- जिला परियोजना प्रबन्धक चमोली द्वारा सभी प्रतिभागियों, संदर्भ व्यक्तियों एवं अतिथियों को औपचारिक धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

- दोपहर बाद सभी प्रतिभागियों ने श्री सूर्यप्रकाश बहुगुणा जी के जैविक फार्म, विकासनगर का भ्रमण किया गया जो कि पिछले 10 वर्षों से जैविक खेती, औषधीय खेती, डेयरी को एक उद्यम के रूप में कर रहे हैं। श्री बहुगुणा जी ने फार्म की वर्तमान स्थिति के विकास की कहानी को प्रतिभागियों के साथ बांटा। भागीरथी रिसर्च एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा भी फार्म पर बायोफर्टिलाइजर के बारे में जानकारी दी। परियोजना के फेडरेशन प्रतिनिधियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि इस प्रकार अनुभव आदान–प्रदान से भविष्य में कई प्रकार के लिंकेज स्थापित किये जा सकते हैं।

pdfMachine
A pdf writer that produces quality PDF files with ease!
Produce quality PDF files in seconds and preserve the integrity of your original documents. Compatible across nearly all Windows platforms, if you can print from a windows application you can use pdfMachine.
Get yours now!

फेडरेशन

अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला

10–11 मार्च, 2010

हिमालयी आजीविका सुधार परियोजना

272 C/II, वसंत विहार, देहरादून

फेडरेशन
अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला

दिनांक– 10 एवं 11 मार्च, 2010 को नवधान्य बीज विद्या पीठ रामगढ़ देहरादून में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन प्रातः 9.30 बजे से प्रारम्भ किया गया। परियोजना द्वारा फेडरेशन की एक महत्वपूर्ण हितभागी के रूप में यह सुनिश्चित करने के लिए पहचान की गई है कि परियोजना का क्रियान्वयन समुदाय सदस्यों की आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं के रूप में किया जा सके तथा सदस्यों के निरंतर लाभ के लिए उद्यमों की स्थापना की जा सके। उक्त विषय पर आपसी अनुभव आदान–प्रदान करने के उद्देश्य से फेडरेशन अनुभव आदान–प्रदान कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रत्येक जनपद से 4 फेडरेशन 2–2 प्रतिनिधियों (कुल 55) ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला जिला परियोजना प्रबन्धक, प्रबन्धक–फेडरेशन विकास, समन्वयन अधिकारी तथा मुख्यालय स्टाफ ने भी प्रतिभाग किया।

10 मार्च 2010

प्रातः कालीन प्रथम सत्र में कार्यशाला का शुभारम्भ दीपप्रज्ज्वलन के साथ किया गया। दीपप्रज्जवलन IFAD से श्री साहिल रफीक जी व सुश्री अंकिता हांडू जी, परियोजना निदेशक, उप निदेशक नवधान्य द्वारा किया गया। दीपप्रज्जवलन के उपरान्त प्रेरणादायक प्रार्थना **''इतनी शक्ति हमें देना दाता'** का गायन सभी प्रतिभागियों ने किया। इसके उपरान्त सभी प्रतिभागियों द्वारा परिचय किया गया। तत्पश्चात प्रबधन्क–KMIT द्वारा दो दिनों की कार्यशाला के उद्देश्य एवं नियम कार्यक्रम के विवरण की सभी प्रतिभागियों को जानकारी दी गई।

➢ **फेडरेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण**

प्रगति स्वायत्त सहकारिता देवट का प्रस्तुतिकरण

पूर्व फेडरेशन कार्यशाला जो कि 25 फरवरी 2010 को आयोजित की गई थी में प्रत्येक जनपद से एक फेडरेशन द्वारा प्रतिभाग किया गया। उक्त कार्यशाला में सभी फेडरेशन सदस्यों द्वारा फेडरेशन की कार्ययोजना बनायी गयी। उक्त कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले सभी फेडरेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया। सर्वप्रथम **जनपद टिहरी** के प्रगति स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन ने अपनी टेलीफोन डायरी तैयार की है जिसमें सभी रेखीय विभागों, विभिन्न संस्थानों, अन्य फेडरेशन तथा समूह व समूह सदस्यों को शामिल किया गया है।
2. फेडरेशन ने अपने कार्यक्षेत्र का नक्शा तैयार किया है।
3. फेडरेशन ने परियोजना के साथ सीधे कार्य करने हेतु अनुबन्ध करने की आवश्यकता जताई है। इस सम्बन्ध में स्वयं सहायता समूहों में प्रस्ताव पारित किया गया है जिसे ग्राम प्रधान द्वारा भी सत्यापित किया गया है।
4. फेडरेशन ने समूहों के साथ कार्य करने की अपनी विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

जनपद उत्तरकाशी के बनाल पट्टी स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन ने अपनी एक फार्म डायरी तैयार की है जिसमें प्रत्येक समूह में विपणन हेतु शेष खाद्य उत्पाद का विवरण तैयार किया गया है। साथ ही समूह व समूह सदस्यों के फोन नम्बर भी एकत्रित किये हैं।

2. फेडरेशन ने नाबार्ड तथा परियोजना के सहयोग से एक रूरल मार्ट स्थापित किया है। रूरल मार्ट में विभिन्न उत्पाद बेचने हेतु रखे गये हैं तथा फोटोकॉपी, फैक्स आदि सेवाएं भी रूरल मार्ट उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही कॉफी मशीन भी स्थापित की है।

जनपद चमोली के पर्वतीय कृषि स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन द्वारा स्थापित डेयरी के बारे में बताया कि इसे स्थापित करने में परियोजना से केवल मार्गदर्शक एवं तकनीकी जानकारी का सहयोग लिया है। इस उद्यम में सम्पूर्ण पूंजी फेडरेशन द्वारा स्वयं की लगाई है।
2. डेयरी उद्यम में सदस्यता 48 से 130 तक पहुंच गयी है।
3. दूधे के दाम जो सदस्यों को मिल रहे वह भी 12–15 से लेकर 20 तक बढ़े हैं।
4. फेडरेशन की चारा एवं जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने की योजना है।
5. फेडरेशन की जनपद मुख्यालय में एक दुकान भी चल रही है जिसमें दूध, सब्जी, दालें और हैण्डीक्राफ्ट की बिक्री होती है। सरकारी कार्यालयों में इस दुकान के माध्यम से पैक भोजन भी सप्लाई होता है।

जनपद अल्मोड़ा के बिजुला स्वायत्त सहकारिता द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसके मुख्य बिन्दु थे–

1. फेडरेशन द्वारा किये जा रहे आलू बीज उत्पादन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। फेडरेशन ने उत्पादित बीज का विपणन अन्य फेडरेशन को किया।
2. फेडरेशन द्वारा क्षेत्र में एलोवेरा की खेती पर भी काम किया जा रहा है।
3. फेडरेशन की सीख है कि हमें एक – दो गतिविधि पर ही काम करना चाहिए। इस तरह हम सफलता की ओर तेजी से बढ़ते हैं।

जनपद बागेश्वर के देवलधार फेडरेशन द्वारा प्रस्तुतिकरण किया गया जिसमें मुख्य रूप से फेडरेशन द्वारा शुरू किये गये रविवार बाजार के अनुभवों को बांटा। रविवार बाजार की शुरूआत तीन–चार महिलाओं द्वारा सड़क के किनारे टोकरी में सब्जियों को बेचने से हुई। आज बागेश्वर में रविवार बाजार एक स्थापित बाजार हो चुका है।

➢ इसके बाद सभी प्रतिभागियों की आपस में चर्चा हुई इस चर्चा के दौरान प्रतिभागियों द्वारा जंगली जानवरों से खेती को हो रहे नुकसान का मुद्दा उठा। इस पर सभी ने परियोजना से इस समस्या पर सहयोग करने की बात रखी क्योंकि कृषि गतिविधियों को करने में मुश्किल आ रही है। सभी गांवों के सामने यह बहुत बड़ी समस्या खड़ी है। चर्चा से यह निष्कर्ष निकला कि जैवविविधिता खत्म होने से यह समस्या आ रही है। फेडरेशन को जैवविविधिता संरक्षण के क्षेत्र में भी कार्य करना आवश्यक है।

एक सदस्य द्वारा बताया कि उन्होंने आवाज करने वाला थालियों से अपना यंत्र बनाया है जो हवा से हिलते जोर जोर से आवाज करता है। आवाज होने से जानवर भाग जाते हैं। इसी तरह का यंत्र बनाया जाय तो काफी फायदा होगा।

➢ इसके उपरान्त श्री सूर्य प्रकाश बहुगुणा, सदस्य विकासनगर फेडरेशन जो पिछले 12 सालों से विकासनगर में जैविक खेती कर रहे हैं। उनको जैविक कीटनाशी, जैविक खाद, बीज संरक्षण की पारम्परिक विधियां तथा किसान के अधिकार, अभिनव प्रयोग एवं बीज उत्पादन आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा अपने अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ बांटा।

प्रतिभागियों द्वारा जैविक खाद बनाने तथा फसलों में लगने वाले विभिन्न रोगों के इलाज के बारे में कई सवाल करने साथ चर्चा में उत्साहपूर्वक भागीदारी निभायी।

श्री बहुगुणा जी ने बताया कि जैविक खेती के साथ अनुबन्ध खेती के फायदे किसान के हक में हैं। इससे किसान उतना ही उत्पादन करेगा जितनी बाजार में मांग है तथा फसल के मूल्य भी पहले से निर्धारित कर लिये जाते हैं इसलिए फसल को कहां और कितने में बेचने है आदि के बारे में किसान चिंता मुक्त होकर कार्य करता है।

- उत्तराखण्ड जैविक उत्पाद परिषद के श्री तर्पण कुलक्षेत्र ने UOCB के ग्रीन रेस्टोरेंट (जैविक रेस्टोरेंट) की संकल्पना की जानकारी दी। इस कार्यक्रम की शुरूआत देहरादून से की जायेगी जो कि जल्दी ही शुरू हो जायेगा। यह ग्रीन रेस्टोरेंट तभी चल पायेगा जब किसान जैविक खेती करेंगे। न्ब्ब इसके लिए जैविका अनाज, सब्जी, मासलों आदि की बराबर आवश्यकता होगी। इससे किसानों को एक नया बाजार मिलेगा। जैविक उत्पाद अभी कम ही उत्पादित हो रहे हैं। जैविक मसालों की तो बहुत अधिक कमी है।

  प्रतिभागियों ने जैविक खेती हेतु सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया तथा पारम्परिक खेती के बारे में चर्चा की।

- RED-GTZ से श्री रविन्द्र व सुश्री जुलिया ने CCL एवं Term स्वदे के लिए GTZ व नाबार्ड के साझे नये कार्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी दी।

- परियोजना निदेशक ने प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सभी हितभागियों के अनुभव को आदान–प्रदान करना महत्वपूर्ण है। फेडरेशन अब व्यापारिक गतिविधियों के लिए तैयार हैं तथा उन्हें प्रसंस्करण गतिविधि को भी अपनाने का भी सोचना होगा। व्यापारिक गतिविधि करने के लिए फेडरेशन के छोटे प्रस्तावों का स्वागत किया जायेगा। अन्य योजनाओं के साथ अभिसरण करने की आवश्यकता है एवं योजनाओं का लाभ सभी सदस्यों के लिए हो। परियोजना सामाजिक विकास की गतिविधियां कर चुकी है और इसके लिए समूहों का क्षमता निर्माण किया है। राज्य नई परियोजना के हस्तक्षेप के लिए समूहों से मदद ले सकता है।

- नवधान्य के उपनिदेशक डॉ0 विनोद भट्ट ने नवधान्य के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि नवधान्य बीज, मिट्टी, जल और ऊर्जा के संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

- डॉ0 शहील रफीक (ISS, IFAD-ICO) ने कहा कि ज्ञान बांटने का यह आयोजन एक ऐतिहासिक आयोजन है जिसमें फेडरेशन की व्यापरिक गतिविधियों को लेने की प्रस्तुति को दूसरी जगहों के लिए अपनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यापरिक गतिविधियों के लिए ज्ञान बांटने का यह पहला अवसर है। इससे समूह सदस्यों के लिए रोजगार सजृन को बढ़ावा मिलेगा। फेडरेशन की गतिविधियां सामाजिक पुनिर्वेश के रूप में होनी चाहिए तथा फेडरेशन सदस्य स्वयं अपने द्वारा उन गतिविधियों को करे।

- सांय के प्रथम सत्र में नवधान्य के जैवविविधता, बीज, मिट्टी, जल के संरक्षण हेतु किये जा रही गतिविधियों को जानने समझने हेतु नवधान्य फार्म का भ्रमण तीन समूहों में किया गया। जैविक खाद तकनीक एवं पारम्परिक बीज संरक्षण हेतु स्थापित किये गये बीज बैंक तथा औषधीय खेती को प्रतिभागियों ने विस्तार से समझा।

- द्वितीय सत्र में सभी जनपदों के फेडरेशन प्रतिनिधि तथा परियोजना स्टाफ ने जनपदवार अपने जनपद की फेडरेशन कार्यवाहियों पर निम्न बिन्दुओं पर चर्चा कर प्रस्तुतिकरण तैयार किया –

1 फेडरेशन की सफलता एवं क्षमताएं
2 सीख के मुद्दे

समूह चर्चा–जनपद अल्मोड़ा

समूह चर्चा–जनपद बागेश्वर

समूह चर्चा–जनपद चमोली

समूह चर्चा–जनपद टिहरी

समूह चर्चा–जनपद उत्तरकाशी

➢ कार्यशाला में सभी जनपदों की फेडरेशन उत्पादित उत्पाद के प्रदर्शन स्टॉल भी लगाये गये।

कार्यशाला में लगाये विभिन्न प्रदर्शन स्टॉल

दिनांक 11.03.2010

दूसरे दिन की शुरूआत सभी जनपद के फेडरेशन प्रतिनिधियों द्वारा **दीप प्रज्जवलन** तथा **इतनी शक्ति हमें देना दाता प्रार्थना** के साथ की गयी। इसके साथ ही पहले दिन की कार्यशाला में हुई चर्चाओं को फिर से दोहराया गया। खुली चर्चा के इस सत्र में प्रतिभागियों को परियोजना हस्तक्षेप के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये जो इस प्रकार थे–

दूसरे दिन कार्यशाला का उद्घाटन

- परियोजना द्वारा सामाजिक विकास एवं संगठनात्मक स्तर की गतिविधियां परियोजना क्षेत्र के सभी ग्रामों में संचालित की गई हैं जिनके परिणाम भी हमारे सामने हैं। परन्तु व्यापारिक गतिविधियां चाहें वह परियोजना स्तर से या फेडरेशन स्तर से संचालित की जा रही उनकी पहुंच केवल सड़क व बाजार के नजदीक ग्रामों तक ही है। दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामों के लिए व्यापारिक गतिविधियों का अधिक आयोजन किया जाना चाहिए क्योंकि दूरस्थ क्षेत्र का समुदाय सड़क के नजदीक के समुदाय से ज्यादा पिछड़ा व गरीब है।
- फसल को जंगली जानवरों के खतरे से बचाने के लिए परियोजना द्वारा इस दिशा में काम करना चाहिए, क्योंकि परियोजना के कुछ ग्राम इस समस्या से बहुत अधिक प्रभावित हैं।
- परियोजना गरीब व्यक्ति तक पहुंचे इसके लिए क्या किया जाना चाहिए यानि प्रथम व द्वितीय श्रेणी के परिवारों तक।
- परियोजना द्वारा सामाजिक मुद्दों जैसे शराब, जंगल, गांव की सफाई आदि के लिए भी कार्य करना चाहिए, आर्थिक कार्यों से अलग रखते हुए।

खुली चर्चा में अपने सुझाव रखते प्रतिभागी

उक्त बिन्दुओं सभी प्रतिभागियों के साथ खुली चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने विभिन्न समस्याओं के निपटारे हेतु अपनाई जा रही विभिन्न तरीकों के अनुभव को आपस में बांटा जैसे टिहरी जनपद के चौंधार गांव में शराब बन्दी हेतु किये गये सफल प्रयास, चमोली जनपद में पर्वतीय कृषि स्वायत्त सहकारिता फेडरेशन द्वारा गांव में चलने वाले सफाई अभियान तथा जंगली जानवरों को रोकने हेतु किये गये प्रयास आदि।

यह भी सुझाव दिया गया कि परियोजना द्वारा फेडरेशन की सुविधा के लिए एक दूरस्थ क्षेत्र में कार्य करने की रणनीति बनायी जानी चाहिए।

सभी फेडरेशन द्वारा फेडरेशन की सफलता, सीख मुद्दे एवं परियोजना से सहयोग पर आधारित चार्ट पेपर पर प्रस्तुतिकरण का जनपदवार प्रस्तुतिकरण किया गया। प्रस्तुतिकरण में सीख के मुद्दे निम्न निकल कर आये–

अल्मोड़ा–

1. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– फेडरेशन का दस्तावेजीकरण, एलोवेरा प्रसंस्करण, एलोवेरा पौधशाला विकास।
2. पॉलीटनल की बजाय पॉलीहाउस का प्रदर्शन
3. फेडरेशन के अपने भवन एवं टेलीफोन की आवश्यकता
4. आलू बीज हेतु कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता

बागेश्वर–

1. फेडरेशन कैपिटल राशि में सहयोग
2. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– बीज संग्रह, फल प्रसंस्करण, मसाला पिसाई, पैकिंग
3. फेडरेशन के अपने वाहन की आवश्यकता
4. विपणन में सहयोग
5. मसाला पिसाई इकाई की स्थापना
6. फेडरेशन के अपने भवन की आवश्यकता
7. सी0आर0पी0 की आवश्यकता

जनपद बागेश्वर का प्रस्तुतिकरण

चमोली–

1. डेयरी उद्यम हेतु वाहन की आवश्यकता
2. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– टिफिन उद्यम, दूध के अन्य उत्पाद बनाना
3. फेडरेशन की कैपिटल धनराशि में सहयोग
4. फेडरेशन के अपने भवन की आवश्यकता

टिहरी–

1. फेडरेशन के अपने भवन एवं टेलीफोन की आवश्यकता
2. कोल्ड स्टोरेज की आवश्यकता
3. दस्तावेजीकरण प्रशिक्षण
4. आगामी वर्ष में परियोजना के साथ सीधे TOR के साथ काम करना चाहते हैं
5. विपणन में सहयोग

जनपद टिहरी का प्रस्तुतिकरण

उत्तरकाशी–

1. विभिन्न मुद्दों पर प्रशिक्षण जैसे– बीज संग्रह, सी0आर0पी0 की बाजार व्यवस्था की समझ, दस्तावेजीकरण, उद्यम हेतु प्रस्ताव तैयार करना, फेडरेशन के उद्यमों के बीमा कराने सम्बन्धी
2. फेडरेशन वाहन हेतु ऋण की आवश्यकता

- परियोजना स्टाफ द्वारा APMAS के फेडरेशन प्रशिक्षण एवं फेडरेशन भ्रमण की सीख का अनुभव प्रतिभागियों में जो इस प्रकार था–

APMAS सीख का अनुभव आदान–प्रदान

1. फेडरेशन की बैठकों में रेखीय विभागों के प्रतिनिधियों को बुलाना एवं उनके द्वारा योजनाओं की जानकारी देना
2. स्मूह को फेडरेशन की आवश्यकता स्थापित करना जैसे ऋण
3. स्मूह सदस्यों से मंडल तक ऋण हेतु माइक्रो क्रेडिट प्लान बनाये जाते हैं
4. फेडरेशन स्तर पर नियमित बचत
5. समूह का लेखाजोखा समूह सदस्य आपस में बदल–बदलकर करते हैं। इसके लिए सी0आर0पी0 रखा है जिसे 50 रू0 प्रतिमाह प्रत्येक समूह देता है। सी0आर0पी0 समूह का सदस्य होता है। समूह में पारदर्शिता रखने के लिए वह अपने समूह का लेखा–जोखा नहीं रखता।
6. ऋण वापिसी 90 प्रतिशत है।
7. समूह प्रतिनिधि 1 वर्ष में बदलते हैं।
8. संचालन महिलाएं कर रही हैं। तकनीकी व्यक्ति मानदेय पर रखा है।

- शहील रफीक जी द्वारा फेडरेशन प्रतिनिधियों को APMAS का भ्रमण अवश्य कराने का सुझाव दिया। इसके उपरान्त उन्होंने परियोजना स्टाफ के साथ H Diagramming के सिद्धान्त और उपयोगिता के बारे बताया तथा चिन्हित विषय पर फेडरेशन प्रतिनिधियों के साथ एक अभ्यास करने के लिए दिया गया।

भोजन उपरान्त फेडरेशन प्रतिनिधियों के साथ परियोजना स्टाफ ने H Diagramming का अभ्यास किया जो कि बहुत ही रोचक और जानकारीपरक रहा।

- बिरला सन लाइफ बीमा कम्पनी के प्रतिनिधि श्री जगजीत सिंह द्वारा बिरला बीमा पॉलिसी की जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा जनपद में यह फेडरेशन के माध्यम की जा रही है।

- इसके बाद परियोजना के वर्ष 2010–11 के AWPB में तय किये गये प्रदर्शन एवं क्षमता विकास के मुख्य बिन्दुओं की जानकारी प्रबधन्क–TS एवं ED&CB द्वारा प्रतिभागियों को दी गई।

- जिला परियोजना प्रबन्धक चमोली द्वारा सभी प्रतिभागियों, संदर्भ व्यक्तियों एवं अतिथियों को औपचारिक धन्यवाद देते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।

- दोपहर बाद सभी प्रतिभागियों ने श्री सूर्यप्रकाश बहुगुणा जी के जैविक फार्म, विकासनगर का भ्रमण किया गया जो कि पिछले 10 वर्षों से जैविक खेती, औषधीय खेती, डेयरी को एक उद्यम के रूप में कर रहे हैं। श्री बहुगुणा जी ने फार्म की वर्तमान स्थिति के विकास की कहानी को प्रतिभागियों के साथ बांटा। भागीरथी रिसर्च एवं प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा भी फार्म पर बायोफर्टिलाइजर के बारे में जानकारी दी। परियोजना के फेडरेशन प्रतिनिधियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि इस प्रकार अनुभव आदान–प्रदान से भविष्य में कई प्रकार के लिंकेज स्थापित किये जा सकते हैं।